Teacher's Manual

GRADE
5
PREPARATORY STAGE

Tanquiri.AI

हिंदी

MASTERMIND

हिंदी कक्षा-5

पाठ-1 जय जय भारत माता!

❖ (क) 1. अ; 2. अ, 3. स, 4. स; (ख) दिल में आग दबाकर अपने, रखता हमको हरा-भरा, सौ-सौ सोतों से बह-बहकर, पानी फूटा आता। 2. इस धानी आँचल में देखो, कितने सुंदर भाव पले, भाई-भाई मिल रहे सदा ही टूटे कभी न नाता। (ग) 1. ✓, 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓; (घ) 1. हिमालय की बहती धारा धरती को हरा-भरा रखती है। 2. भारत माँ का आँचल धानी है। 3. जब सब मिलजुलकर रहते हैं तो सुख बढ़ जाता है। 4. भारत में लोग एक दूसरे के साथ मिलजुलकर रहते हैं। 5. इस कविता से हमें पता चलता है कि हमारी धरती माता और भारत माता हमें कितना प्रेम करती हैं। हमें भी उनकी रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) 1. नाता 2. वेश 3. भरा 4. चुगें 5. पले 6. छूट (ख) 1. नभ, गगन, आसमान 2. माँ, जननी, मैया 3. रवि, भानू, दिनकर 4. जलज, पंकज, सरोज, 5. पानी, नीर, वारि (ग) 1. हिमालय बहुत विशाल है। 2. माँ अपने बच्चों को सदा आँचल में छुपा कर रखती है। 3. मेरा भारत देश महान है। 4. सूर्य पूर्व दिशा में उगता है। 5. हंस सफेद रंग का होता है।

पाठ-2 शिक्षा का लक्ष्य

❖ (क) 1. ब 2. स 3. अ 4. स 5. अ (ख) 1. कामना 2. चुनौतियाँ 3. संस्कारी 4. संख्या 5. उभरी 6. जिलाधीश (ग) 1. ✓, 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗; 6. ✗; 7. ✓ (घ) 1. (ii) 2. (i) 3. (v) 4. (iii) 5. (iv) (ङ) 1. मास्टर जी ने देखा कि अधिकांश माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ाना ही नहीं चाहते हैं। 2. मास्टर जी ने गाँव की समस्या का मूल कारण गरीबी को माना। 3. मास्टर जी ने प्रौढ़ पाठशाला खोली। 4. मास्टर जी ने प्रौढ़ पाठशाला में अक्षर ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान भी देते थे। जिससे गाँव वालों को शिक्षा का महत्त्व पता चला। 5. व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण और समाज निर्माण ये तीनों मास्टर जी शिक्षा के तीन लक्ष्य थे। 6. सुतली की पट्टी मूँज के आसन, ढाक के पत्तों के पीने पत्तल बनाकर अर्थोपार्जन करते थे। 7. गाँव के युवक दल ने गाँव से कीचड़ और कचरे को खदेड़ दिया। गलियाँ साफ-सुथरी बन गई। खेतों के पास कूड़ाघर और कंपोस्ट के गड्ढे बन गए। इस प्रकार गाँव का कायाकल्प हुआ।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) 1. वह मुखिया को प्रणाम करके विद्यालय में गए। 2. सामान ठेले पर होशियारी के साथ रखकर मेरे साथ चलो। 3. मास्टर जी को इस बात का संदेह है कि विद्यार्थी कुछ गड़बड़ कर रहे हैं। 4. मास्टर जी ने 'ग्राम विकास समिति' बनायी। (ख) 1. मेरी कामना एक अध्यापक बनना है। 2. मेरी माँ मुझे अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। 3. गाँव वाले शाम को चौपाल में बैठते हैं। 4. हमें निरन्तर तरक्की की ओर प्रयासरत रहना चाहिए। 5. राधा ने सच बोलने का संकल्प लिया। 6. माता-पिता बच्चों के हितैषी होते हैं।

पाठ-3 सच्चा न्याय

❖ (क) 1. अ 2. ब 3. ब 4. स 5. ब (ख) 1. आदरपूर्वक 2. धन्यवाद 3. न्याय, प्रबंध 4. शान्त भाव 5. मूर्ति (ग) 1. शिशुपाल ने परदेशी से 2. सम्राट ने शिशुपाल से 3. न्यायमंत्री ने अधिकारी से 4. न्यायमंत्री ने सम्राट से (घ) 1. ब्राह्मण शिशुपाल अतिथि से बोले कि आजकल देश की अवस्था ठीक नहीं है। चारों तरफ अन्याय हो रहा है। यह देखकर उनका खून खौल उठता है। यदि उन्हें अवसार मिले तो दिखा देंगे कि न्याय किसे कहते हैं। 2. सम्राट अशोक शिशुपाल को न्याय का डंका बजाने का अवसर देना चाहते थे इसलिए शिशुपाल को न्यायमंत्री नियुक्त किया गया। 3. शिशुपाल हैरान रह गए क्योंकि स्वयं सम्राट ने उस पहरेदार की हत्या की थी। 4. न्यायमंत्री ने ऐसा आदेश इसलिए दिया क्योंकि दृष्टि में सम्राट आौर सामान्य व्यक्ति में कोई अंतर नहीं होता। 5. मूर्ति को फाँसी इसलिए दी गई क्योंकि न्यायमंत्री सभी को यह शिक्षा देना चाहते हैं कि अपराधी कोई भी हो उसे दण्ड अवश्य मिलेगा। 6. पाठ में शिशुपाल के चरित्र को न्यायप्रिय बताया गया।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

1. आँख खोलना 2. धूम मचाना 3. डंका बजाना 4. सन्नाटा छाना

पाठ-4 फुटबॉल

❖ (क) 1. अ 2. ब 3. स 4. स 5. अ (ख) 1. मूल्यवान 2. विद्यालय, महत्व 3. पुष्ट, सुंदर 4. लोकप्रिय 5. खेलों (ग) 1. ✓, 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓ (घ) 1. खेल शरीर को स्वस्थ, पुष्ट और शक्तिशाली बनाते हैं। इससे साहस, अनुशासन, आत्मविश्वास तथा सहयोग की भावना विकसित होती है। खेल मनोरंजन के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक विकास भी करते है। 2. भारत में फुटबॉल अत्यंत लोकप्रिय है स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न क्लबों में इसे उत्साह से खेला जाता है। संतोष ट्रॉफी, डूरंड कप, रोवर्स कप और सुब्रतो कप जैसे अनेक प्रतियोगिताएँ आयोजित होती है। 3. फुटबॉल विश्व के 130 से अधिक देशों में खेला जाता है ओलंपिक्स में इसका आरभं 1908 में हुआ। अतंराष्ट्रीय स्तर पर विश्व कप प्रतियोगिता सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है। 4. फुटबॉल का मैदान आयताकार होता है इसकी लंबाई लगभग 90 से 120 मीटर तथा चौड़ाई 45 से 90 मीटर तक होती है। बीच में रेखा से दो भाग किए जाते है। गोलपोस्ट की उँचाई 2.44 मीटर होती है। 5. प्रत्येक टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं। एक रेफरी खेल का संचालन करता है हाथ से छूना फाउल माना जाता है। (गोलकीपर को छोड़कर)। निर्धारित समय 45-45 मिनट की दो पारियों में खेला जाता है।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) फुटबॉल खेलने से टाँगों में बल पैदा होता है। इससे दौड़ने की शक्ति बढ़ती है। अनुशासन में हरने की आदत पड़ती है। एक नेता के नियंत्रण में रहकर काम करने का अभ्यास होता है। (ख) 1. संसार 2. डरपोक 3. सबल 4. उन्नति 5. वीरता 6. निर्णायक (ग) 1. शौकीन 2. शक्ति 3. प्रत्युत्पन्न 4. स्वास्थ्य 5. निष्क्रिय 6. क्लब

पाठ-5 मित्र को सीख

❖ (क) 1. ब 2. ब 3. ब; (ख) 1. मित्रता 2. मेंढक 3. प्रधानाचार्य 4. उद्विग्न 5. पचास (ग) 1. ✓, 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗; (घ) 1. समान गुण और स्वभाव के व्यक्तियों में

भी मित्रता होती है इसका एक उदाहरण है सुयोग्य व प्रतिभाशाली चन्द्रगुप्त और शरारती सुनील की दोस्ती। 2. प्रधानाचार्य जी जानते थे कि चन्द्रगुप्त झूठ बोल रहा है1 वह सुनील के द्वारा की गई शरारत को अपने ऊपर ले रहा है। जिसकी सजा में प्रधानाचार्य जी ने चन्द्रगुप्त को चार बेंते मारी। 3. चन्द्रगुप्त पर बैंक में गबन करने का मुकदमा चल रहा था। 4. न्यायाधीश सुनील को एक बार चन्द्रगुप्त ने प्रधानाचार्य की सजा से बचाया था इसी ऋण को चुकाने के लिए न्यायाधीश सुनील ने अभियुक्त पर किए गए जुमार्ने की सारी रकम अपने आप भर दी। 5. एक बार सुनील की शरारत की सजा चन्द्रगुप्त को मिली थी जिसके कारण सुनील बिल्कुल बदल गया। सुनील ने परीक्षा में 90% अंक प्राप्त किए और न्यायाधीश जैसी बड़ी उपाधि पा सका। चन्द्रगुप्त का यह ऋण न्यायाधीश पर था।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) 1. तरफदारी, पक्षपात 2. फैसला, मत 3. तारिफ, बड़ाई 4. कष्ट, तकलीफ 5. दोस्त, सखा 6. तरक्की, समृद्धि 7. हिमगिरी, नगराज 8. मनोकामना, कामना (ख) 1. मजबूरी 4. नीचता 5. दोस्ती 6. कायरता 7. ढीठाई 8. मधुरता (ग) 1. बुद्धि नष्ट होना। 2. पहले जैसा व्यवहार न करना। 3. घबरा जाना । 4. साफ इन्कार कर देना। 5. लड़ाई का बढ़ावा देना।

पाठ-6 स्वदेश-प्रेम

❖ (क) 1. अ 2. अ 3. स; (ख) 1. सुखद, सकल, विभवों की आकार। धन्य हुए हो जीवन पाकर। (ग) 1. (iii) मातृभूमि 2. (iv) स्वदेश प्रेम 3. (i) ध्रुववासी 4. (v) आत्मगौरव 5. (ii) विषुवत् रेखा (घ) 1. ✓, 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓; (ङ) कवि कहते हैं कि जब तक आपके तन में साँसे हैं और धड़कन चल रहीं है चाहे वो साँसे अन्तिम ही क्यों न हो हमें अपनी जन्मभूमि और मातृभूमि का गौरव बना कर रखना चाहिए चाहे इसमें अपना गौरव भूलना पड़े। (च) 1. कवि कहते हैं विषुवत्-रेखा का वासी, हाँफ-हाँफ कर जीता है परन्तु मातृभूमि के प्रति अपना अनुराग नहीं भूलता। ध्रुववासी जो हिम में तम में जीता है, पर अपने मातृभूमि के लिए प्राण न्यौछावर करने में जरा भी नहीं हिचकिचाते। 2. कवि कहते हैं कि यह धरा स्वर्ग सी जिसमें हमें प्रत्येक सुख और वैभव प्राप्त हुआ है। यह हमं अन्न, जल सब प्रदान करती है। हमारी धरा सबसे श्रेष्ठ है। 3. कविता से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें जिस प्रकार हमारी मातृ सब कुछ देती है उसी प्रकार हमें भी अपना जीवन उन पर न्यौछावर कर देना चाहिए।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) 1. देशप्रेमी 2. प्रशंसनीय 3. भारतीय 4. निर्भय 5. परोपकारी (ख) 1. शिरोमणि 2. काँपना 3. अलौकिक 4. बूदँ 5. आत्मगौरव 6. अपशिष्ट (ग) 1. निर्मल + ता = निर्मलता 2. उज्ज्वल + ता = उज्ज्वलता 3. दीन + ता = दीनता 4. श्रेष्ठ + ता = श्रेष्ठता 5. वीर + ता = वीरता 6. उत्सुक + ता = उत्सुकता

पाठ-7 केरल की सुंदरता

❖ (क) 1. ब 2. स 3. अ 4. स 5. ब (ख) 1. अनाइमुड़ी 2. कथकली 3. विशु 4. मलयाली 5. डिब्बाबंद (ग) 1. ✗, 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗ (घ) 1. ओमना, एक केरल

की बालिका ने केरल आने का निमंत्रण दिया है1 2. केरल के मुख्य व्यंजन है चावल, मछली, डोसा, इडली सांभर अवियल, उत्तपम आदि। 3. ओणम का त्यौहार अगस्त के अंतिम सप्ताह या सितंबर के आरम्भ में मनाया जाता है। इस दिन नौका दौड़, हाथियों का जुलूस का आयोजन होता है तथा मन्दिरों में कथकली नृत्य होता है। 4. काली मिर्च, लौंग, इलायची, दालचीनी, जायपल, जावित्री, काजू, नारियल आदि का यहाँ खूब उत्पादन होता है इसलिए इसे मसालों का घर कहा जाता है। 5. केरलवासियों का मुख्य व्यवसाय खेती करना और मछली पकड़ना है। यहाँ की स्त्रियाँ जूट व नारियल के बालों से सुन्दर चटाइयाँ व टोकरियाँ बनाती है। मछली का जाल भी खुद बुनती हैं1 महिलाएँ मछली को डिब्बाबंद करने का कार्य भी करती हैं। 6. यहाँ के पुरुष लुंगी और कमीज पहनते हैं। स्त्रियों को भी सफेद कपड़े पहनना अधिक पसंद है। यहाँ के लोग सादा जीवन बिताते हैं। ये बहुत परिश्रमी होते हैं।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) 1. बटेरे 2. काल 3. नारी 4. नाते 5. गई 6. रोली 7. कड़ियाँ 8. सजाओ (ख) एक जगह – कई जगह; एक माला – पाँच माला; एक जंगल – कई जंगल; एक कक्षा – पाँच कक्षा

पाठ-8 शरद का बचपन

❖ (क) 1. अ 2. स 3. अ; (ख) 1. विद्यार्थियों, 2. बीमार 3. मामाओं 4. उन 5. प्रतिभा (ग) 1. ✓, 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓; (घ) 1. (ii) 2. (i) 3. (iv) 4. (iii) 5. (vi) 6. (v) (ङ) 1. एक बार पंडित जी जब चिलम में तंबाकू लगा कर गए तो शरद ने तंबाकू हटाकर ईंट के छोटे-छोटे टुकड़े रख दिए। जब पंडित जी को पता चला तो गुस्से से लाल-पीले हो गए। 2. शरद तितलियाँ पालता, मैंना पालता, नेवला पालता, कुत्ता पालता, तरह-तरह के फूल लगाता, पतंग उड़ाता, लट्टू नचाता, गोली और गिल्ली-डंडा खलेता। 3. शरद से रस्सी के द्वारा गोरे की गाड़ी गिरा दी ओर उसे खूब पीटा क्योंकि एक बार मास्टर जी घर लौट रहे थे ओर तभी गोरे की गाड़ी वहाँ से गुजर रही थी। बिना किसी कारण के गोरे ने मास्टर जी की पीठ पर चाबुक बरसाने शुरू कर दिए। इसी कारण गोरे को सजा मिली थी। 4. शरद गरीब परिवार से था इसलिए रिश्ते के मामाओं को पढ़ाता था। एक बार शरद की विज्ञान की परीक्षा थी। उस दिन से पहली रात को शरद ने अपनी सभी विद्यार्थियों को बुलाया और कहा कि कल मेरी परीक्षा है इसलिए आज रात मुझे कोई परेशान नहीं करेगा। जो कुछ भी पूछना हो कल सवेरे आकर पूछना। शरद यह बोलकर खिड़की-दरवाजे बंद करके अपने कमरे में पढ़ने बैठ गया। अगली सुबह जब सब विद्यार्थी शरद से मिलने आए तो शरद नाराज होकर बोला मैंने तुम्हें मना किया था ना। तब सब बोले यह तो कल रात की बात, अब तो सवेरा हो चुका है। यह है उनकी तन्मयता का उदाहरण। 5. शरद की दसवीं परीक्षा सिर पर थी और उनके बड़े मामा जी की लड़की बीमार हो गई। सब कुछ भूलकर शरद उसकी सेवा में लग गया। बस यही नहीं प्लेग से कितने रोगियों की उसने सेवा शुश्रूषा की। होम्योपैथ का बक्सा लिए वह घर-घर घूमा करता था। लेकिन यह सब होने पर भी वह पढ़ने में पीछे नहीं रहता था।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) 1. कक्षा में देर पहुँचने पर अध्यापक मुझ पर लाल-पीले हो गए। 2. आज रीति के

प्रथम आने का भेद खुल गया। 3. लेखक आँख बचाकर बाग से अमरूद तोड़ कर लाते थे। 4. शरद जी तन्मय होकर विद्यार्थियों को पढ़ाते थे। 5. प्रधानअध्यापक का विद्यालय में दबदबा है। (ख) 1. तो ऐसा दबदबा था शरद और राजू का। 2. उन्हीं की मदद करता था वह। 3. कहाँ थे अब तक? 4. अंक क्यों नहीं आए तो पता नहीं। 5. उसका एक कारण यह भी था।

पाठ-9 मोहित की बुद्धिमानी

❖ (क) 1. अ, 2. अ, 3. ब, 4. अ 5. अ; (ख) 1. (ii) 2. (iii) 3. (iv) 4. (v) 5. (i) (ग) 1. सेठ ने सेठानी से 2. सेठानी ने सेठ से 3. शिष्य ने सेठानी से 4. शिष्य ने सेठानी से 5. इंस्पेक्टर ने सेठानी से (घ) 1. सेठानी को अधिक से अधिक पैसा पाने की लालसा थी। 2. साधु बोला कि वह अपरिग्रही है और आटा लेने से मना कर दिया। 3. सेठानी साधुओं की तंत्र-विद्या द्वारा अपने धन को बढ़ाना चाहती थी इसलिए सेठानी साधुओं को घर के भीतर लाई। 4. सेठानी सोचती थी कि मोहित बच्चा है इसलिए सेठानी ने मोहित की बात नहीं मानी। 5. सेठानी को साधुओं ने उनके सारे सोने के आभूषण एक घड़े में डालकर देने के लिए कहा और सेठानी लालच के कारण इस बात पर राजी हो गई और चालबाजी से साधु उस घड़े को लेकर चंपत हो गए।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) **संज्ञा–** रामा, गहने, जंजीर, चूड़ियाँ, झुमके, घर। **सर्वनाम –** वह, उनके, इसके, उन्हें, वे। **विशेषण–** सोने, मोटी, बड़े। (ख) 1. खुशनसीब 2. शक्तिशाली 3. बढ़ना 4. सम्मान (ग) 1. क्षम्यवान 2. धार्मिक 3. परोपकारी 4. मनमोहक

पाठ-10 हमारा उत्तरदायित्व

❖ (क) 1. अ; 2. अ, 3. ब, (ख) 1. भूल 2. मकान 3. विनम्रतापूर्वक 4. महासागर 5. जूतों (ग) 1. ✗, 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓; (घ) 1. (iv) 2. (i) 3. (v) 4. (iii) 5. (ii) (ङ) 1. एक अच्छे घर की विशेषताएँ होती हैं घर के सदस्यों के बीच का लगाव, प्रेम, परस्पर एक-दूसरे के लिए चिंता तथा अपनेपन और जिम्मेदारी की भावना जिससे एक मकान घर बनता है 2. घर में सब एक-दूसरे का ध्यान रखते हैं, साथ बैठकर खाना खाते हैं, माता-पिता का स्नेह प्राप्त करते हैं परन्तु धर्मशाला में ऐसा कुछ नहीं होता। 3. घर के सदस्यों में परस्पर प्रेम, त्याग, अपनेपन व जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए। 4. छोटे-छोटा काम करके बच्चे अपने माता-पिता का हाथ बटाँ सकते हैं। जैसे फोन की घंटी या डोरबेल बजे तो बच्चे फोन उठा लें या दरवाजा खोल दें। अपना छोटा-छोटा सामान सही जगह पर रखें, आदि। 5. मेरे घर में सब मिलजुलकर रहते हैं और दिन में एक समय सब साथ में खाना खाते हैं।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) 2. पवन, हवा, 3. प्रेम, प्रीति 4. साफ, पवित्रता। (ख) 1. घर एक मंदिर है। 2. अनूठा प्रेम सब को एक कर सकता है। 3. हमें जूतों को समय-समय पर पॉलिश करनी चाहिए। 4. हमारा कर्त्तव्य है कि हम अपने से बड़ों की आज्ञा मानें। 5. अपने हृदय में सबके लिए अच्छी भावना रखनी चाहिए। (ग) 2. मामी 3. मम्मी 4. फूफा 5. दादी 6. मौसा 7. नानी 8. ताई

पाठ-11 जलाओं दीये

❖ (क) 1. अ 2. ब 3. ब

(ख) 1. उड़े मर्त्य मिट्टी गगन स्वर्ग छू ले,
निशा की गली में तिमिर-राह भूलें,
उषा जा न पाए निशा आ न पाए!

2. नहीं मिट सका है धरा का अँधेरा,
नहीं कर सकेंगे हदृय में उजेरा,
स्वयं घर मनुज दीप का रूप आए!

(ग) 1. सृजन है अधूरा अगर विश्व-भर में ,
कहीं भी किसी द्वार पर है उदासी,

2. मगर दीप की दीप्ति से सिर्फ जग में,
नहीं मिट सका है धरा का अँधेरा,

3. कटेंगे तभी यह अँधेरे घिरे, अब
स्वयं घर मनुज दीप का रूप आए!

(घ) 1. कवि कहता है कि जब तक संसार में कहीं भी किसी के द्वार पर दुःख और उदासी है, तब तक सच्ची सज्जनता और मानवता पूर्ण नहीं, हो सकती। जब तक पृथ्वी रक्तपात से प्यासे लोगों से भरी है और हिंसा का खेल चलता रहेगा, तब तक रोज़ दीवाली मनाने से भी वास्तविक सुख नहीं आएगा। 2. केवल दीपक जलाने से संसार का अंधकार नहीं मिट सकते। जब मनुष्य स्वयं दीपक के समान बनकर अपने भीतर प्रकाश फैलाएगा, तभी अंधकार दूर होगा। (ङ) 1. कवि दीपक के माध्यम से मनुष्य को स्वयं प्रकाशमान बनने और दूसरों के जीवन में उजाला फैलाने का संदेश देना चाहता है। 2. संसार में सज्जनता होने पर भी यदि कही दुःख है, तो कवि उसे अधूरा मानता है। 3. इन पंक्तियों में कवि की मानवतावादी और संवेदनशील भावनाएँ प्रकट होती हैं। 4. व्यक्ति की पूर्ण मनुष्यश्ता का दर्पण उसका त्याग, प्रेम और दूसरों के लिए प्रकाश बनना हैं। 5. कविता के माध्यम से कवि संसार को यह संदेश देना चाहता है कि केवल बाहरी प्रकाश नहीं, बल्कि भीतर का प्रकाश ही सच्चा उदाहरण देता है।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) 1. संसार, विश्व, दुनिया 2. आकाश, अम्बर, गगन 3. तम, तिमिर, अँधेरा (ख) 1. अंधेरा 2. नरक 3. उषा 4. अपूर्ण 5. गगन 6. अरूप (ग) 1. प्यासि 2. झूले 3. सवेरा 4. आए

पाठ-12 आदर्श पुत्र– श्रवण कुमार

❖ (क) 1. अ 2. अ 3. ब (ख) 1. मृत्यु 2. अभिलाषा 3. तीर्थयात्रा 4. श्रवण 5. हिंसक

(ग) 1. ✗, 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ (घ) 1. गाँधी जी ने जब श्रवण पितृभक्ति नाटक पढ़ा तो उनके मन में भी उनके समान बनने की इच्छा जागृत होने लगी। 2. श्रवण कुमार माता-पिता के परमभक्त थे। वह हर परिस्थिति में उनकी सेवा करने के लिए तत्पर रहते थे। माता-पिता की इच्छा उनके लिए सर्वोपरि थी। 3. श्रवण कुमार ने काँवण बनाई और एक ओर माता और दूसरी ओर पिता को बैठाया और फिर काँवण को कंधे पर रखकर तीर्थयात्रा के लिए प्रस्तान कर गए। 4. महाराज दशरथ रात्रि के समय आखेट के लिए गए थे जब उन्होंने श्रवण के द्वारा पानी भरने की आवाज सुनी तो उन्हें लगा कि कोई हिंसक पशु जल पी रहा है। ये सोचकर उन्होंने शब्द भेद बाण चला दिया। वह बाण श्रवण को लगा गया और उसकी मृत्यु हो गई। 5. श्रवण ने राजा दशरथ को कहा कि मेरे माता-पिता प्यास से

व्याकुल हैं और मेरी बाट देख रहे हैं। पहले तुम उनका कंठ तृप्त करना और फिर सारा कृत्य सुना देना। अन्यथा वे तुम्हें कुपित होकर भस्म कर डालेंगें। 6. मुनि शांत्वन में राजा दशरथ को श्राप दिया कि जिस प्रकार हमें विपत्तियों के समय में पुत्र-वियोग भोगना पड़ रहा है उसी प्रकार तुम भी पुत्र के शोक से काल के गाल में जाओगे।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) 1. मेरे भाई का नाम अनुराग है। 2. मेरी अभिलाषा डॉक्टर बनने की थी। 3. तुम्हें देखकर मेरी आँखे तृप्त हो गई। 4. श्रवण के मन की व्याग्रता शान्त नहीं हो पा रही थी। 5. श्रवण के माता-पिता अपने जीवन के अंतिम चरण में पदार्पण कर चुके थे। (ख) 1. आँख, लोचन, नयन 2. सुत, पूत, बेटा 3. पेड़, पापय, विटप 4. नीर, वारि, पानी 5. धरा, भूमि, भू

पाठ-13 सच्चा हीरा

❖ (क) 1. अ 2. स 3. ब; (ख) 1. अस्त 2. बेटा 3. भीम 4. चौथी स्त्री 5. सूर्य अस्त हो रहा था। चहचहाते हुए अपने नीड़ (ग) 1. ✗, 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓; (घ) 1. पहली स्त्री ने। 2. दूसरी स्त्री ने। 3. तीसरी स्त्री ने। 4. चौथी स्त्री ने। 5. बूढ़ी स्त्री ने। (ङ) 1. सबसे अधिक उम्र वाली स्त्री ने अपने बेटे की विशेषता बताते हुए कहा कि उसका बेटा बहुत मधुर गाता है। उसकी आवाज सुनकर कोयल और मैना भी चुप हो जाते हैं। 2. दूसरी स्त्री ने पहली स्त्री से कहा कि उसके बेटे की बराबरी कोई नहीं कर सकता। वह बहुत ही शक्तिशाली और बहादुर है। वह बड़े-बड़े पहलवानों को भी पछाड़ देता है। वह आधुनिक युग का भीम है। 3. तीसरी स्त्री बोली मेरा बेटा तो साक्षात् बृहस्पति का अवतार है। वह जो कुछ पढ़ता है एकदम याद कर लेता है। ऐसा लगता है मानों उसके कंठ में सरस्वती का वास हो। 4. जब सभी स्त्रियाँ घड़े में पानी भरकर घर की ओर जा रहीं थी तब केवल चौथी स्त्री का पुत्र वहाँ रुका और अपनी माँ के सिर से पानी का घड़ा उतारकर अपने सिर पर रखा और घर की ओर चल दिया। 5. बूढ़ी स्त्री ने चौथी स्त्री के बेटे की प्रशंसा की क्योंकि केवल चौथी स्त्री का पुत्र ही था जिसने अपनी माँ का हाथ बटाँया था, बाकि तीनों स्त्रियों के पुत्रों ने अपनी माँ पर ध्यान नहीं दिया और वहाँ से अपनी माता पर बिना ध्यान दिए निकल गए। 6. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें अपने गुणों के कारण अपने माता-पिता को अनदेखा नहीं करना चाहिए। हमारे गुणों का फायदा तभी है जब हम अपने संबंधों को भी महत्व दें।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) 1. सूर्य अस्त हो रहा था। 2. मैं क्या प्रशंसा करूँ? 3. वह भीम है। 4. क्यों बहन, तुम क्यों चुप हो? 5. उसके कंठ में मानों सरस्वती का वास है। (ख) 1. बेटी 2. उदय 3. तन 4. बोलना 5. बुराई 6. बुरा 7. झूठा 8. जवान

पाठ-14 डॉ0 भीमराव अंबेडकर

❖ (क) 1. स 2. अ 3. अ; 4. स 5. ब (ख) 1. विद्वान, अर्थशास्त्र, शैली, लोकाप्रिय, लंदन, शिक्षा, उपाधियों, बार-एह-लॉ, स्वदेश (ग) 1. ✓, 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗; (घ) 1. डॉ० अंबेडकर का बचपन बड़े कष्ट एवं संघर्ष में व्यतीत हुआ। 2.डॉ० अंबेडकर की पढ़ने की रूचि प्रबल थी। सतारा के एक विद्यालय में इन्हें जातीय भेदभाव का शिकार

होना पड़ा। इन्होंने गरीबी, अभाव, जाति-भेदभाव के कष्ट झेले। 3. सियाजीराव गायकवाड़ बड़ौदा राज्य के राजा थे। 4. सियाजीराव ने उन्हें तीन वर्षों के लिए मासिक छात्रवृत्ति पर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अमेरिका भेज दिया। 5. यहाँ के कर्मचारी व स्थानीय लोग उनके साथ भेदभाव करते थे। इस भेदभाव पूर्ण व्यवहार से ऊबकर उन्होंने नौकरी से त्याग-पत्र दे दिया। 6. डॉ० अंबेडकर जी ने भारतीय संविधान का समग्र प्रारूप अपने हाथों से तैयार किया। आज भारतीय संविधान का जो स्वरूप है वह इन्हीं की देन है। 7. डॉ० अंबेडकर जी अछूतों को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए प्रेरित करना चाहते थे इसलिए उन्होंने बहिष्कृत भारत नामक एक पत्र निकाला।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

1. 'भारत का राष्ट्रीय लाभ'। 2. उनके प्रयासों द्वारा अछूतों के लिए जहाँ-तहाँ पुस्तकालय और छात्रावास खुलने लगे। अब अछूतों में जागृति आने लगी।

पाठ-15 प्रेम और अंहिसा

❖ (क) 1. अ 2. स 3. अ, 4. स 5. अ; (ख) 1. तिरस्कार 2. प्यार 3. संतान 4. पाषाण 5. दुष्टता (ग) 1. ✓, 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓; (घ) 1. गाँधी जी कहते हैं यदि हम अपने शत्रु के साथ भी प्रेम करने के लिए तैयार न हों तो हमारा बंधुत्व ढकोसला है। 2. भारत एक बड़ा भूखण्ड है। अगर यह हिंसक हो गया तो दूसरों की तरह यह भी दुर्बलों पर जबरदस्ती करेगा। अगर ऐसा हुआ तो परिणाम की कल्पना भी नहीं की जा सकती। 3. गाँधी जी भारतीय राष्ट्रीयता में समस्त जातियों का समावेश करके विकास करना चाहते थे। 4. यदि प्रेम और सत्य का शस्त्र मिल जाए तो अन्य किसी शस्त्र की आवश्यकता नहीं होगी।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

1. अगर मैं परीक्षा में उत्तीर्ण हुई तो पिता जी बहुत खुश होंगे। 2. अगर वह सबसे प्रेम से बोले तो सब उसका सम्मान करेंगे। 3. अगर माँ बाजार जायेंगी तो मेरे लिए नए कपड़े लायेंगी।

पाठ-16 सभा का खेल

❖ (क) 1. ब 2. स 3. स (ख) 1. छोटे नेहरू, तुम सरोजिनी, 2. हिंदू, मुस्लिम, शुद्ध खद्दर (ग) 1. मोहन, लल्ली, छोटे और जीजी सभा का खेल खेल रहे हैं। 2. कविता में गाँधी जी, नेहरू जी, सरोजिनी जी इन स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिए गए हैं। 3. गाँधी जी ने चरखा चलवाने, खद्दर पहने और पहनाने के लिए कहते हैं। 4. सभा के खेल में विदेशी चीजों के इस्तेमाल का विरोध हुआ है।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) 1. जाओ 2. लगाऊँगा 3. भारी 4. पहनाओ 5. आएगा 6. काँजी 7. खाओगे 8. सार 9. पहनो 10. विदेशी। (ख) चलाना, खेलना, मारना, दौड़ना, सोना, भागना, पढ़ना, देना, खेलना, जागना, चलाना, पढ़ना, लिखना, दौड़ना, पहनना, करना, लड़ना, खेलना, बैठना, खाना।

पाठ-17 वनः हमारी अमूल्य संपदा

❖ (क) 1. ब 2. स 3. अ 4. ब 5. अ (ख) वायु, भूमि, अनुमान, भू-तल, पृथ्वी, ध्रुवीय, जल, अधिक, समा, मानव (ग) 1. ✗, 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗; 6. ✓; (घ) 1. अथर्ववेद में वनों की समस्त सुखों का स्त्रोत कहा गया है। गीता में श्री कृष्ण ने वृक्ष को ईश्वर की विभूति कहा है। अग्नि पुराण में वृक्षों को परिवार की सुख समृद्धि का आधार माना गया है। मत्स्यपुराण में एक वृक्ष को दस पुत्रों के बराबर माना गया हे। 2. कुछ वृक्ष लगाने से मानसिक कष्ट दूर होते हैं। इसी कारण इन्हें पूजनीय माना गया है। 3. पेड़-पौधे वातावरण की अशुद्ध एवं हानिकारक वायु को स्वयं पचाकर हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं1 ये भूमि को अधिक गर्म होने से रोकते हैं। 4. वन वर्षा में सहायक हैं। वृक्षों की जड़े वर्षा के तेज बहाव को रोकती हैं जिससे भूमि संरक्षण में सहायता मिलती है। जड़ से लेकर, तना, फल, फूल, बीज, शाखा, छाल आदि सभी हमारे जीवन के लिए उपयोगी हो वृक्ष आँधी-तूफान की गति को नियन्त्रित करते हैं। प्रदूषण को रोककर वायुमण्डल में संतुलन बनाते हैं आदि। 5. वनों को बचाने के लिए सर्वप्रथम वनों की कटाई पर रोक लगाई जानी चाहिए। नहरों व सड़कों के किनारों पर वृक्ष लगाए जाने चाहिए। बच्चों व बड़ों को वनों के लाभ बताकर उन्हें पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) भारतीय, साप्ताहिक, विजयी, दयालु, बलवान, चमकीला। (ख) 1. सुलभ 2. उपकप्तान 3. आजीवन 4. सुसमाचार 5. सजीव 6. उपकार 7. सजग 8. सुलेख 9. सहित

पाठ-18 दूरदर्शी मंत्री

❖ (क) 1. अ 2. ब 3. अ; 4. ब 5. स (ख) 1. प्रजापालक, 2. आतंक, 3. तैनात 4. विश्वासघात 5. संतोष (ग) 1. ✓, 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓; (घ) 1. मंत्री को चिंता रहती थी कि गाँव के लोग सदैव सैनिकों पर निर्भर रहते थे, स्वयं अपनी रक्षा नहीं करते थे। 2. डाकू बहुत चालाक था। वह अपने दल के साथ अचानक भूत की तरह प्रकट होता ओर आनन-फानन में लूटपाट करके पलक झपकते ही गायब हो जाता। 3. डाकू का उत्पात रोकने के लिए मंत्री जी ने प्रत्येक गाँव में चुने हुए सैनिक तैनात कर दिए। नौजवानों को लाठी-तलवार चलाना सिखाया गया। डाकूओं को देखते ही उन्हें कैसे घेरा जाए, लोगों को कैसे सावधान किया जाए आदि का प्रशिक्षण दिया जाने लगा। 4. डाकू का चेहरा देखकर राजा बोले-तुमने विश्वासघात किया है। तुम प्रजा के रक्षक नहीं भक्षक निकले। प्रजा बोली की डाकू को प्राणदण्ड दिया जाना चाहिए। 5. मंत्री ने यह नाटक इसलिए किया ताकि प्रजा में स्वयं अपनी रक्षा करने की शक्ति आ जाए।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) 1. हिंसक 2. कायरता 3. वीरता 4. सत्यता 5. भयानक 6. साहसी (ख) 1. वे 2. उनका 3. वह 4. उसने

पाठ-19 मधुमक्खियों का रोचक जीवन

❖ (क) 1. अ 2. ब 3. स 4. अ; 5. स; (ख) 1. फूलों, 2. सत्तर 3. समझदार

4. कोष्ठक 5. अमृत (ग) 1. ✓, 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ घ. 1. छोटी मक्खियाँ एपिस फलोरिया व एपिस डोरसैटा के नाम से जानी जाती है। यह भारत, मलाया, श्रीलंका, बर्मा, चीन आदि देशों के जंगली व पर्वतीय इलाकों में पाई जाती है। यह विषैले फूलों से भी मधु संचय कर लेती हैं। 2. एपिस सेराना भारतीय किस्म की है तथा मैदानी इलाकों में रहना पसंद करती है। भारत के अलावा ये मलाया और मंडागास्कर में रहती है। ये अपना छत्ता गुफाओं, दीवारों, घरों व वृक्षों आदि पर बनाती हैं। एपिस मौलीफेरा दक्षिण एशिया में पाई जाने वाली दो तरह की मक्खियों का मिला जुला नाम है। इन्हें एक ही जाति की संतान माना जाता है। यह जाति तमाम दुनिया में फैली हुई है। 3. कामगार मक्खियाँ छत्ता बनाती है, शहद एकत्र करती हैं। इसके अलावा ये रानी मक्खी की जरूरतों का ध्यान रखती हैं। उसे साफ करती हैं मालिश करती हैं और उत्तम खाना लाकर देती हैं। ये बच्चों की देखभाल भी करती हैं। 4. प्रत्येक छत्ते में कई कोष्ठ होते हैं हर कोष्ठ में 6 कोने होते हैं। छत्ते में तीनों प्रकार की मधुमक्खियों के रहने की व्यवस्था अलग-अलग होती है। 5. शहद आठ प्रकार का होता है। धतूरे के आस-पास का शहद विषाक्त होता है। नीम के पेड़ का शहद कुछ बकबका परन्तु उत्तम होता है। सरसों, तुलसी और अन्य औषधीय पेड़-पौधों से प्राप्त शहद श्रेष्ठ होता है।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

1. चिकित्सक इसे अम्लता, मधुमेह, हृदय रोग, दमा, पीलिया, गैस, नाड़ी, दंत आदि रोगों में उपयोग करते हैं। 2. शहद सफेद, गाढ़ा पीला, प्रगाढ़, लालिमायुक्त, भूरा, अंबर व काले रंगों में पाया जाता है। 3. तीन प्रकार के शर्करा क्रमशः फलों की अंगूर की व गन्ने की शर्करा के नाम से जानी जाती है।

पाठ-20 नरभक्षी बाघ

❖ (क) 1. अ 2. अ 3. अ (ख) 1. भौंचक्का 2. भीड़ 3. पहाड़ मार-मरकर 4. दोनाली बंदूक 5. धाँय (ग) 1. जब लेखक को पता चला कि नरभक्षी कुबेरदत्त के बेटे का घर से उठा कर ले गया। यह सुनकर लेखक की जुबान तालू से चिपक गई थी। 2. लेखक ने यह सोचकर जंगल की ओर चल दिए कि हो सकता है अभी बाघ ने निरंजन को ज्यादा नुकसान न पहुचाया हो और वे सब के साथ उन्हें बचाकर ले आयें। 3. रक्त में सने कपड़ों से लोगों ने निरंजन को पहचाना। 4. बाघ ने जब पेड़ की डाल पर बैठे लेखक की ओर छलांग लगाई तो लेखक की साँस रुक-सी गई। 5. दूसरी गोली बाघ के पंजे से चली।

(घ) 1. जंगल में बहुत सारे नरभक्षी हैं। 2. आज वर्षा आने की आशंका है। 3. शेर खूँखार जंगली जानवर हें। 4. शेर हिरन की टकटकी लगाकर देख रहा है। 5. अपने गाँव में लोमड़ी को देखकर मैं भौंचक्का रह गया।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) 2. भयानक 3. साहसी 4. क्रुद्ध 5. पाश्चात्य 6. दैनिक (ख) 2. कोमलता 3. कठोरता 4. भयानक 5. वीरता 6. कठिनाई (ग) 1. अचानाक गाँव में शेर को देखकर डर के कारण मेरी जुबान ताल से चिपक गई। 2. शेर दर्द के कारण दहाड़ रहा है। 3. तेंदुए ने अपने शिकार पर टकटकी लगा रखी है। 4. नेवले से लड़ाई करते-करते साँप ने दम तोड़ दिया। 5. राधा की माता अपनी अन्तिम साँसें गिन रही हैं।

पाठ-21 स्वास्थ्य के नियम

❖ (क) 1. ब 2. अ 3. ब; (ख) 1. स्वस्थ 2. संतोष 3. क्षमा 4. शाक्तिवान 5. निरोगी 6. मोटापा (ग) 1. ✗, 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓; (घ) 1. मानव जीवन की सफलता के लिए मानसिक, आत्मिक, शारीरिक, शक्तियों के विकास की आवश्यकता है। 2. यदि शारीरिक शक्तियों को अभाव रहेगा तो मनुष्य का शरीर क्षीण और शिथिल हो जाएगा। इसलिए सफलता के लिए शारीरिक उन्नति अनिवार्य है। 3. व्यायाम करने वाला व्यक्ति, हँसमुख, स्वस्थ, सुखी, आत्मविश्वासी, उत्साही और रोगरहित रहता है। 4. केवल आहार लेते रहने व निष्क्रिय पड़े रहने से शरीर बेड़ौल होकर तरह-तरह के रोगों को निमंत्रण देने लगता है। नई-नई बीमारियाँ शरीर को घेर लेती हैं। 5. खेलकूद करने से फुर्तीली आती है, रक्त संचार ठीक रहता है, पाचन शक्ति बढ़ती है, शरीर बलवान होता है, अंग हष्ट-पुष्ट होते हैं, मुख पर एक अनोखा तेज आता है आदि। 6. धैर्य वीरता का अति उत्तस दुष्प्राप्य अंग है। धैर्य संतोषी की कुंजी है। धैर्य से क्षमा का जन्म होता है, जिसे वीरों का भूषण माना गया है। क्षमा से बढ़कर किसी तत्व में पास को पुण्य बनाने की शक्ति नहीं है। संतोषरूपी अमृत से यह आकंण्पूर्ण रहता है, जो सुख-शान्ति का वाहन है। चाणक्य नीति में संतोष को देवराज इन्द्र का नंदन वन बताया गया है।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) 1. व्यायाम व खेलकूद आदि से पसीना आता है, जिससे शरीर के रोग दूर होते हैं; रक्त का संचार ठीक प्रकार से होता है। 2. प्रातः भ्रमण, दौड़ना, खेलकूद, तैराकी, घुड़सवारी, दंड बैठक लगाना, योगासन आदि प्रमुख व्यायाम हैं। (ख) 1. अस्वस्थ 2. सुखद 3. अनश्वर 4. अशुद्ध 5. अधम 6. निरोगी

पाठ-22 भामती का त्याग

❖ (क) 1. अ 2. स 3. स 4. ब; 5. स; (ख) 1. गंभीर, 2.साँझ 3. झाड़ी 4. भामती 5. धन्य (ग) 1. ✗, 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗; (घ) 1. वाचस्पति अपने ग्रन्थ को लिखने में व्यस्त थे। 2. तूफान के झोंके के आघात से खिड़की फर से खुल गई और सारे दीपक एक साथ बुझ गए। 3. भामती के अनुसार उसके पति अपने लिए नहीं वरन् दूसरों के लिए, लोक के लिए, ज्ञान के लिए और मनुष्यता के लिए जिए। इसलिए भामती ने अपने पति से कुछ नहीं कहा। 4. वाचस्पति ने प्रतिज्ञा की थी कि जिस दिन उनका यह महाग्रंथ पूरा हो जाएगा। वह अगले दिन सूर्योदय के साथ ही घर छोड़कर संयास ले लेंगे। इस बात का उन्हें बहुत अफसोस था। 5. भामती बोली कि उसके पति दूसरों के लिए, लोक के लिए, ज्ञान के लिए, मनुष्यता के लिए जिए। इसमें अपनी पत्नी को भागीदार बना लिया। यह बात सुनकर वाचस्पति विस्मित हो गए।

व्याकरण एवं भाषा बोध–

(क) 1. गंभीरता (भाववाचक) गंभीर (विशेषण) 2. चिंता (भाववाचक) चिंतित (विशेषण) 3. आपत्तिजनक (भाववाचक) आपत्ति (विशेषण) 4. एकांतपन (भाववाचक) एकांत (विशेषण) 5. सुखद (भाववाचक) सुख (विशेषण) 6. सुविधाजनक (भाववाचक) सुविधा (विशेषण) (ख) साधु, पुस्तक, समृद्ध, सन्यासी, कुलीन, फूल